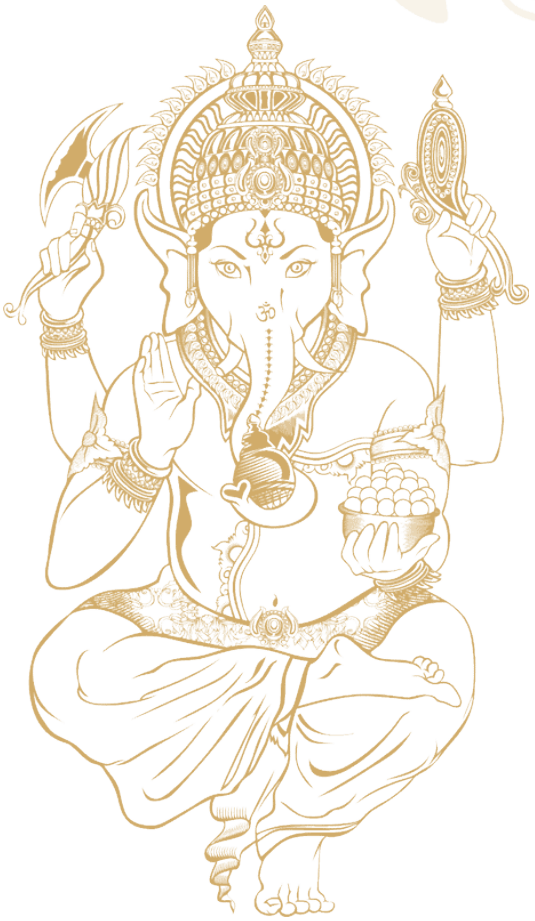

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121380302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/03/1995	जन्म तिथि	02/06/1996
बुध-गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 02:55:00	जन्म समय	16:30:00 घंटे
घटी 50:44:20	जन्म समय(घटी)	27:22:22 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Nasirabad
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	74:44:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:31:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:16	सूर्योदय	05:38:35
18:35:28	सूर्यास्त	19:19:45
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:29

विंशोत्तरी शुक्र 15वर्ष 10मा 22दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 4वर्ष 4मा 12दि
चन्द्र	22:47:35	धनु	लग्न	तुला	12:33:14	शुक्र
04/02/2017	01:02:05	मीन	सूर्य	वृष	18:22:23	15/10/2007
05/02/2027	16:04:14	सिंह	चंद्र	वृश्चि	26:34:29	15/10/2027
चन्द्र 06/12/2017	19:51:39	कर्क व	मंगल	मेष	28:52:35	शुक्र 14/02/2011
मंगल 07/07/2018	07:37:55	कुंभ	बुध	मेष	27:02:15	सूर्य 14/02/2012
राहु 06/01/2020	21:09:39	वृश्चि	गुरु व	धनु	22:34:49	चन्द्र 15/10/2013
गुरु 07/05/2021	21:31:00	मक	शुक्र व	मिथु	01:02:42	मंगल 15/12/2014
शनि 06/12/2022	22:25:21	कुंभ	शनि	मीन	11:50:21	राहु 14/12/2017
बुध 06/05/2024	12:26:34	तुला व	राहु व	कन्या	21:47:53	गुरु 14/08/2020
केतु 06/12/2024	12:26:34	मेष व	केतु व	मीन	21:47:53	शनि 15/10/2023
शुक्र 06/08/2026	05:38:52	मक	हर्ष व	मक	10:31:54	बुध 15/08/2026
सूर्य 05/02/2027	01:15:20	मक	नेप व	मक	03:38:47	केतु 15/10/2027
	06:46:19	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	07:38:08	

लग्न-चलित

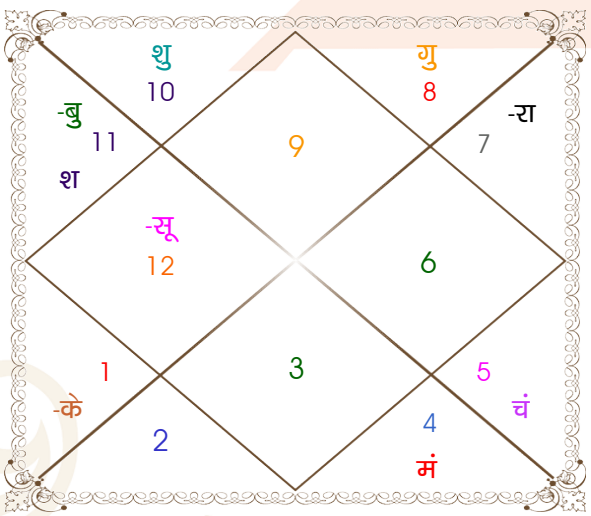

लग्न-चलित

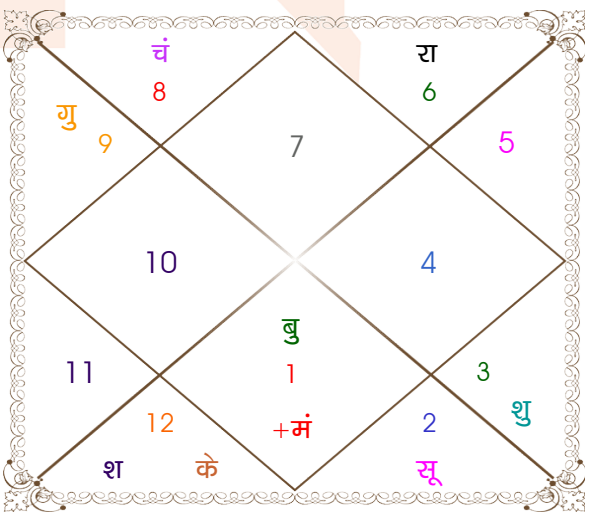

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

A का वर्ग मूषक है तथा B का वर्ग मृग हैA इन दोनों वर्गो में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता हैA

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि B कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि B कि कुण्डली में षष्B भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।